रायपुर में हाथियों की करंट लगने से मौत

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने रायगढ़ ज़िले में तीन हाथियों की करंट लगने से हुई मौत के मामले में लापरवाही के लिये **राज्य के ऊर्जा विभाग के अधिकारियों** को चेतावनी दी है।

मुख्य बिंदु

- **न्यायालय का निर्णय:**
  - खंडपीठ ने ऊर्जा विभाग को घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करते हुए शपथ-पत्र प्रस्तुत करने का आदेश दिया। अधिकारियों को रायगढ़ के **घरघोड़ा वन रेंज में हाथियों की मृत्यु से संबंधित परिस्थितियों का विवरण देने** और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिये निवारक उपायों की योजना बनाने के लिये निर्देशित किया गया।
  - प्रारंभिक जाँचा द्वारा स्पष्ट होता है कि **वन विभाग के कर्मचारियों ने स्थानीय विद्युत विभाग को खतरनाक रूप से कम ऊँचाई वाली 11 kV ट्रांसमिशन लाइन** के बारे में बार-बार चेतावनी दी थी।
  - हालाँकि, इस समस्या के समाधान के लिये कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिसके परिणामस्वरूप अंततः हाथियों की मौत हो गई।
- **वन्यजीव सुरक्षा पर ज़ोर:**
  - मामले को स्वतः संज्ञान में लेते हुए, न्यायालय ने वन्यजीव सुरक्षा और संरक्षण **के महत्त्व पर ज़ोर दिया** तथा वन्यजीवों के निवास वाले क्षेत्रों में ज़िम्मेदार प्रबंधन की आवश्यकता को रेखांकित किया।
- **छत्तीसगढ़ में हाथियों की मौत:**
  - राज्य वन विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ में **पिछले छह वर्षों में विभिन्न कारणों से 70 से अधिक हाथियों की मौत हुई है**, जिनमें से वर्ष 2024 में 13 की मौत करंट लगने के कारण हुई है।

//

हाथी

Drishti IAS

हाथी की 4 मुख्य प्रजातियाँ

प्रजातियाँ	जहाँ पाई जाती हैं	IUCN रेड लिस्ट में दर्ज स्थिति	अधिवास
भारतीय	एशिया	संकटग्रस्त (CITES - परिशिष्ट I, WPA - अनुसूची I)	उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्ण शुष्क एवं नम पृथुपर्णी (चौड़े पत्तेदार) वन, घास के मैदान
सुमात्राई	एशिया	गंभीर संकटग्रस्त	उष्णकटिबंधीय नम पृथुपर्णी (चौड़े पत्तेदार) वन
सवाना (बुश)	अफ्रीका	संकटग्रस्त	मध्य अफ्रीका के घने उष्णकटिबंधीय वनों को छोड़कर पूरे उप-सहारा अफ्रीका में
अफ्रीकी वन्य हाथी	अफ्रीका	गंभीर संकटग्रस्त	घने उष्णकटिबंधीय वन

भारतीय हाथी *(Elephas maximus)*

एशियाई महाद्वीप पर सबसे बड़ा स्तनपायी जीव
भारत का राष्ट्रीय धरोहर पशु

- हाथियों की अधिकतम आबादी वाले शीर्ष 5 भारतीय राज्य:
  (हाथी जनगणना 2017 के अनुसार)
  - कर्नाटक> असम> केरल> तमिलनाडु> ओडिशा
- सामाजिक संरचना:
  - नर की तुलना में मादा हाथी अधिक सामाजिक होती हैं; जो कि झुंड में (आमतौर पर 5-7) रहती हैं
    - जिसका नेतृत्त्व सबसे बुजुर्ग मादा हाथी करती है
  - नर आमतौर पर अकेले रहते हैं

- प्रमुख खतरे:
  - घटते आवास
  - मानव-हाथी संघर्ष
  - हाथीदांत के लिये अवैध शिकार
  - पालन में दुर्व्यवहार
- संरक्षण के प्रयास:
  - गज सूचना ऐप (2022)
  - गज यात्रा (2017)
  - हाथी मेरे साथी अभियान (2011)
  - राष्ट्रीय हाथी गलियारा परियोजना (2005)
  - हाथियों की अवैध हत्या की निगरानी (माइक) कार्यक्रम (2003)
  - प्रोजेक्ट एलिफेंट (1992)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/elephants-electrocuted-in-raipur